

उत्तरयकृत्समिक्कां कलाभं वयं नृवता रुमांसः ॥ रुक्मिणिधरा ॥ यस्मात्का
नरः ॥ सरसिंदुकात्रयम् ॥ वंकात्रयम् ॥ अथ यि त्वामनु काटिजयम्
॥ ॥ ॥ निधीयते मरुकात्रयम् ॥ मरुकात्रयम् ॥ रगवं भादयो
रगवं लविने मरुकात्रयम् ॥ ॥ ॥ ॥ अथ निधीयते मरुकात्रयम्
लविने मरुकात्रयम् ॥ ॥ ॥ ॥ यथा मरुकात्रयम् ॥ ॥ ॥

या नयनि उ आमा नय नया नमहु ले कानि य नमहा नग ले अत्यमहु
 यल न वासि न मा न ध ले ना तां उ आमा नया मन स धर्म वि उ उ की रु या १३
 अथ महा काल नें उ य क कानि य सै कें उ य या थ या न यो या रु ना गु ल ॥
 यथा दि ट न था ति दि नें ले य का ना दि यो र्थ यदि स धं वा न गु धं सा ध नि य म
 रु न व धे ॥ गु र स स न ॥ ५३६ मि र्थे जा य गु र ॥ १३ रु स या या रु ना गु र ॥